TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

08 अप्रैल

1. **विश्व बंजारा दिवस–** 8 अप्रैल को विश्व बंजारा दिवस मनाया जाता है। विश्व के अधिकांश देशों में बंजारा जनजाति निवास करती है, जिन्हें अलग–अलग देशों में अलग–अलग नामों से जाना जाता है। 'बंजारा' या 'खानाबदोश' मानवों का ऐसा समुदाय है जो एक ही स्थान पर बसकर जीवनयापन करने के बजाए एक स्थान से दूसरे स्थान पर निरंन्तर भ्रमणशील रहता है।

2. **मंगल पांडेय को फाँसी–** दिसम्बर 1856 ई. में सरकार ने लोहे वाली बंदूक 'ब्राउन बैस' के स्थान पर नवीन राइफल 'एनफील्ड' का प्रयोग करने का निश्चय किया। इस राइफल का कारतूस बूलिच आर्सेनल कारखाने में निर्मित था। कारतूस के प्रयोग के पहले उसके ऊपरी भाग को दाँत से काटना होता था। जनवरी 1857 में बंगाल सेना में यह अफवाह फैल गई की चर्बी वाली कारतूस में गाय और सूअर की चर्बी है। जिस कारण हिन्दू और मुस्लिम आग–बबूला हो गये। 29 मार्च, 1857 ई. को बैरकपुर की छावनी में 34वीं एनआई रेजिमेंट के मंगल पांडेय ने लेफ्टिनेंट बाग और जनरल ह्यूसन को गोली मार दी, परन्तु ह्यूसन बच गया। 6 अप्रैल, 1857 ई. को मंगल पांडेय को कोर्ट मार्शल किया गया। जिसकी अध्यक्षता 34वीं रेजीमेंट के सूबेदार मेजर जवाहर लाल तिवारी ने की। 7 अप्रैल, 1857 ई. को स्थानीय जल्लादों ने मंगल पांडेय को फाँसी देने से मना कर दिया। जिसकी वजह से कोलकाता से चार जल्लादों को बुलाकर 8 अप्रैल, 1857 ई. को अंग्रेजी हुकूमत ने मंगल पाण्डेय को फाँसी दे दी।
   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान, भाग 3, अध्याय 6, 1857 का विद्रोह** पाठ से जोड़कर बच्चों को बतायें। संभव हो तो बच्चों को फिल्म 'मंगल पांडेय' भी दिखायें।

3. **असेम्बली बम कांड–** भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन नामक क्रांतिकारी संगठन से संबंध रखने वाले भगत सिंह तथा बटुकेश्वर दत्त द्वारा दिल्ली केंद्रीय विधान सभा में उस समय बम फेंका गया जब ट्रेड डिसप्यूट बिल और पब्लिक सेफ्टी बिल पर बहस चल रही थी। इस बम कांड का उद्देश्य किसी को हानि पहुँचाना नहीं था। बल्कि 'बहरे कानों' तक अपनी आवाज पहुँचाने के लिए' था। इसी समय भगत सिंह ने 'इंकलाब–जिन्दाबाद' का नारा दिया था। बम फेंकने के जुर्म में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त को गिरफ्तार कर लिया गया तथा इस कांड के लिए उम्र कैद की सजा दी गई।
   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान, भाग 3, अध्याय 12 पृष्ठ 202** से जोड़कर बच्चों को बतायें।

Monday

Madhu priya

मधु प्रिया

विश्व बंजारा दिवस 8 अप्रैल

भारत सहित विदेशों में भी बंजारा समाज निवास करता है । यह समुदाय विश्व में अनेक नामों से जाना जाता है जैसे यूरोप में रोमा बंजारा, जिप्सी बंजारा ,वहीं भारत में गोर बंजारा, बामणिया बंजारा, लदनिया बंजारा, जैसे कई नामों से जाना जाता है। संपूर्ण भारत में बंजारा समाज 6 करोड़ से अधिक है । यह एक व्यापारिक कौम थी जिन्होंने मुग़ल एवं अग्रेंजो के शासनकाल मैं जीवन यापन की सामग्री एवं रसद पहुंचाने का कार्य किया करते थे ।बंजारा समाज जहां से भी गुजरा वहां पर पीने की पानी की व्यवस्था अवश्य करता था। और आज जो नेशनल हाईवे कहलाते हैं वह कभी लमान मार्ग हुआ करते थे , जिसकी खोज बंजारा समाज ने की थी। ईस समाज ने पूरे देश को दिशा दिखाते हुए रसद के माध्यम से मानव जाति की सेवा करने का कार्य किया । विश्व बंजारा दिवस की शुरुआत हमारे पूर्वजों ने जिस तरीके से जगह -जगह कुआ, बावड़ी , तालाब आदि बनाकर जल की जो संरचना बनाई थी उन्ही रचनाओं से मानव पशु-पक्षी आदि अपनी प्यास बुझाते हैं। उस परंपरा को बनाए रखने और जल के महत्व को समझने के लिए विश्व बंजारा दिवस की शुरुआत की गई थी ।समाज के संत श्री सेवालाल महाराज ने 175 वर्ष पूर्व यह भविष्यवाणी की थी, एक रुपए में एक कटोरी पानी मिलेगा । आज उस संत की बात सार्थक हो रही है । यह दिवस जल बचाने का संदेश देता है और भविष्य के लिए जल की उपयोगिता के महत्व को दर्शाता है। यह समुदाय जब से अंग्रेजों के शासन काल में इन्होंने जिस तरह से प्रताड़ित किया और क्रिमिनल एक्ट लागू कर अपराधीक जातियों की सूची में डालकर प्रताड़ना की गई । रसद पहुंचाने का जो कार्य था वह नई टेक्नोलॉजी के कारण रेल मार्ग, वाहनों आदि के कारण इनकी आर्थिक व्यवस्था को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया । जिसके कारण इस समुदाय ने अपने पशुओं की रक्षा और अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित इस समाज ने जंगलों की तरफ रुख किया और वहीं पर अपना डेरा गांव व शहरों से दूर अपना आशियाना बना लिया ,और इसी कारण इन्होंने अपने धर्म को भी बचाया और अपनी सभ्यता और संस्कृति को भी जीवित रखा रखा है ।इसी जागरुकता को लेकर इस दिवस को मनाने का एक खास उद्देश्य है।

पुण्यतिथि विशेष 08 अप्रैल

राकेश कुमार

मंगल पांडे अथवा **मंगल पान्डेय** *Mungal Pandey* अथवा *Mangal Pandey*, जन्म: 19 जुलाई, 1827; मृत्यु: 8 अप्रैल, 1857) का नाम 'भारतीय स्वाधीनता संग्राम' में अग्रणी योद्धाओं के रूप में लिया जाता है, जिनके द्वारा भड़काई गई क्रांति की ज्वाला से अंग्रेज़ ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन बुरी तरह हिल गया था। मंगल पांडे की शहादत ने भारत में पहली क्रांति के बीज बोए थे। ब्रह्मदेश (बर्मा {वर्तमान म्यांमार}) पर विजय तथा सिक्ख युद्ध की समाप्ति के पश्चात् अंग्रेज़ों ने भारतवर्ष पर निष्कंटक राज्य करने के सपने देखें होंगे; पर उन्हें क्या पता था कि सन 1857 का वर्ष उनकी आशाओं पर तुषारपात का वर्ष सिद्ध होगा।

Teachers of Bihar
The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 08.04.2024

तथ्यात्मक ज्ञान

तथ्यात्मक ज्ञान वह ज्ञान है जो विशिष्ट विषयों (प्रशिक्षणों) के लिए मूलभूत होता है। यह आयाम आवश्यक तथ्यों, शब्दावली, विवरण, या तत्वों को संदर्भित करता है, जिसे छात्रों को किसी प्रशिक्षण को समझने या इसमें किसी समस्या को हल करने के लिए उसे जानना या उससे परिचित होना जरूरी होता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

ऑस्कर विजेता और मशहूर म्यूजिक कंपोजर **Hans Zimmer** भारतीय फिल्म **रामायण** के लिए **एआर रहमान** के साथ मिलकर म्यूजिक **कंपोज** करने वाले हैं।

एशियाई खेल (तथ्य)

एशियाई खेलों के संस्थापक कौन थे?

लंदन में आयोजित 1948 के ओलंपिक खेल के मौके पर, भारतीय ओलंपिक समिति के प्रतिनिधि और एक प्रसिद्ध खेल प्रशासक **गुरु दत्त सोंधी** के नेतृत्व में एशियन गेम्स फेडरेशन (AGF) का गठन किया गया था।

एशियाई खेलों का नारा क्या है?

"**ड्रीम ऑफ विन्टर, लव अमंग एशिया**": आधिकारिक स्लोगन

यह नारा एशियाई देशों के बीच शीतकालीन खेलों के प्रति आकांक्षाओं और जुनून को दर्शाता है, सपनों, प्यार और सौहार्द के सार को उजागर करता है जिसे खेलों का लक्ष्य बढ़ावा देना है।

एशियाई खेल में पदक जीतने वाले पहले भारतीय कौन है?

तैराक **सचिन नाग** ने 1951 में नई दिल्ली में 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में जीत दर्ज करते हुए एशियन गेम्स में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया था। उसी साल रोशन मिस्त्री भी एशियन गेम्स में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं थीं, जब उन्होंने 1951 के एशियन गेम्स की 100 मीटर रेस स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया।

TOB बूझो तो जानें..

387

वह कौन-सा फूल है, जिसके पास कोई रंग और महक नहीं है .... बुझो तो जानें ?

संजय कुमार

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 363

मंगल पांडे ने जिस बंदूक में कथित चर्बी वाली कारतूस लगाने से मना कर दिया, उसका क्या नाम था?

A. ब्राउन बैस गन

B. पकल गन

C. एनफ़ील्ड गन

D. विनचेस्टर गन

सही उत्तर: C

26 जून 1838-8 अप्रैल 1894
राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के रचयिता
श्री बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय
की पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन।
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
Madhu priya
/teachersofbihar

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
1857 के स्वतंत्रता संग्राम के नायक
शहीद मंगल पांडे जी
के बलिदान दिवस पर सादर नमन।
जन्म-19 जुलाई 1827- मृत्यु-8 अप्रैल 1857
/teachersofbihar
मधु प्रिया

पुण्यतिथि विशेष

08 अप्रैल 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

सत्य का मार्ग ही जीवन की सफलता का मार्ग है।

मंगल पांडेय

(क्रांतिकारी)

जन्म: 19 जुलाई 1827 मृत्यु: 08 अप्रैल 1857

राकेश कुमार